अमेरिका, ब्रिटेन समेत अनेक देशों की कंपनियां पैसा लगाने को आगे आईं, कई को जमीन आवंटित

यूपी में भारी निवेश की राह खुली

लखनऊ | विशेष संवाददाता

कोरोना काल के बावजूद उत्तर प्रदेश में देसी-विदेशी कंपनियों के 45 हजार करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। ये प्रस्ताव अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया आदि की कंपनियों की ओर से आए हैं। इनमें कई कंपनियों को जमीन भी आवंटित हो गई है। इनके जरिए 1,35,362 लोगों को रोजगार मिलेगा।

औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन तथा औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। इन कंपनियों में हीरानंदानी ग्रुप, सूर्या ग्लोबल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एमजी कैप्सूल्स, केशो पैकेजिंग, माउंटेन व्यू टेक्नॉलॉजी इत्यादि शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि यूपी में निवेश के लिए इच्छुक इन कंपनियों को औद्योगिक विकास प्राधिकरणों ने निवेश परियोजनाओं के लिए लगभग 426 एकड़ (326 भूखण्ड) आवंटित किए हैं, जिसमें लगभग 6,700 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

45
हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए कंपनियों के

1.35
लाख लोगों को प्रदेश में सीधे मिलेगा रोजगार

एक्सप्रेस वे के किनारे 22 हजार एकड़ जमीन चिह्नित

राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास के लिए एक्सप्रेसवे के किनारे 22,000 एकड़ भूमि चिह्नित की है। इसमें आगरा, फिरोजाबाद, उन्नाव, चित्रकूट, मैनपुरी और बाराबंकी जिलों में छह उच्च संभावना वाले स्थानों की पहचान की गई है।

इसके अलावा नोएडा में दो व लखनऊ में एक सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की भी तैयारी है। डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में टाटा टेक्नालॉजी के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा। इसके अलावा नोएडा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेंटर आफ एक्सीलेंस आईआईटी कानपुर स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि देश को आर्थिक प्रगति के रास्ते पर ले जाने में यूपी अहम भूमिका निभाए।

लखनऊ में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन और विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार। • हिन्दुस्तान

ग्रेटर नोएडा में एमएसएमई पार्क और परिधान पार्क

ग्रेटर नोएडा में एमएसएमई पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क, परिधान पार्क, हस्तशिल्प पार्क और खिलौना पार्क भी प्रस्तावित हैं। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, फिल्म सिटी व इलेक्ट्रानिक सिटी भी बनेगी। इन परियोजनाओं से 40,000 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 2.5 से 3 लाख रोजगार की संभावना है।

यूपी में ये कंपनियां करने जा रही हैं निवेश

- हीरानंदानी ग्रुप-ग्रेटर नोएडा में बीस एकड़ जमीन पर उत्तर भारत का सबसे बड़ा डाटा सेंटर में 750 करोड़ रुपये का निवेश कर बनाएगा।
- ब्रिटानिया इण्डस्ट्रीज- वाराणसी में 300 करोड़ की लागत से एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण यूनिट लगाएगी।
- एसोसिएटेड ब्रिटिश फूड पीएलसी (एबी मौरी) (यूके)- बरगढ़ चित्रकूट में 750 करोड़ के निवेश से खमीर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाएगी।
- डिक्सन टेक्नोलॉजीज-नोएडा, ग्रेटर नोएडा में कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में 200 करोड़ का निवेश करेगी।
- वॉन वेलिक्स (जर्मनी)- यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण व आगरा में फुटवियर निर्माण में 300 करोड़ रुपये का निवेश।
- सूर्या ग्लोबल फ्लेक्सी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड- यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में पीओपीपी, बीओपीईटी, मेटलाइज्ड फिल्म्स प्रोडक्शन प्लांट में 953 करोड़ का निवेश।
- मैक सॉफ्टवेयर (यूएस)- नोएडा में सॉफ्टवेयर में 200 करोड़ का निवेश।
- एग्रीग्रेटा इंक (कनाडा)- लखनऊ में अनाज असंरचना उपकरण प्लांट, 746 करोड़ रुपये का निवेश।
- एडिसन मोटर्स (दक्षिण कोरिया)- लखनऊ या नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण प्लांट 750 करोड़ का निवेश।